संघ लोक सेवा आयोग

Union Public Service Commission

प्रारंभिक परीक्षा		
पेपर I –	सामान्य अध्ययन **(100 प्रश्न, 200 अंक)**	
पेपर II –	सिविल सेवा अभिरुचि परीक्षा (CSAT) **(80 प्रश्न, 200 अंक)**	
मुख्य परीक्षा		
पेपर I	निबंध	(200 अंक)
पेपर II	सामान्य अध्ययन – I	(250 अंक)
पेपर III	सामान्य अध्ययन - II	(250 अंक)
पेपर IV	सामान्य अध्ययन – III	(250 अंक)
पेपर V	सामान्य अध्ययन - IV	(250 अंक)
पेपर VI	वैकल्पिक विषय – I	(250 अंक)
पेपर VII	वैकल्पिक विषय – II	(250 अंक)
पेपर VIII	भाषा – I	(300 अंक, केवल क्वालिफाइंग)
पेपर IX	भाषा – II	(300 अंक, केवल क्वालिफाइंग)

प्रारंभिक परीक्षा के लिए यूपीएससी पाठ्यक्रम

प्रारंभिक परीक्षा (Prelims) के लिए यूपीएससी पाठ्यक्रम को दो पेपरों में विभाजित किया गया है, यानी **सामान्य अध्ययन पेपर 1 (100 प्रश्न, 200 अंक) और सामान्य अध्ययन पेपर (CSAT) 2 - (80 प्रश्न, 200 अंक)**।

यूपीएससी पाठ्यक्रम सामान्य अध्ययन 1 (GS-1)

UPSC CSE प्रीलिम्स सिलेबस के सामान्य अध्ययन 1 में मुख्य रूप से इतिहास, भूगोल, राजनीति, अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और पारिस्थितिकी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सामान्य विज्ञान और करंट अफेयर्स आधारित कार्यक्रम शामिल हैं। यूपीएससी सामान्य अध्ययन प्रारंभिक पेपर 1 पाठ्यक्रम को निम्नलिखित व्यापक श्रेणियों में वर्गीकृत करता है।

प्रारंभिक परीक्षा सामान्य अध्ययन 1 पाठ्यक्रम

अंक: 200 अंक **अवधि: दो घंटे**

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व की समसामयिक घटनाएं।

⇒ भारत का इतिहास और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन।

⇒ भारतीय और विश्व भूगोल- भारत और विश्व का भौतिक, सामाजिक, आर्थिक भूगोल।

⇒ भारतीय राजनीति और शासन-संविधान, राजनीतिक व्यवस्था, पंचायती राज, सार्वजनिक नीति, अधिकार मुद्दे, आदि।

⇒ आर्थिक और सामाजिक विकास-सतत विकास, गरीबी, समावेश, जनसांख्यिकी, सामाजिक क्षेत्र की पहल, आदि।

⇒ पर्यावरण पारिस्थितिकी, जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन पर सामान्य मुद्दे – जिनके लिए विषय विशेषज्ञता की आवश्यकता नहीं है।

सामान्य अध्ययन 2 (CSAT) पाठ्यक्रम

अंक: 200 अंक **अवधि: दो घंटे**

बोधगम्यता

UPSC CSE के सामान्य अध्ययन 2 को CSAT (सिविल सेवा योग्यता परीक्षा) पेपर के रूप में भी जाना जाता है। यह पेपर पहली बार 2011 में प्रत्येक उम्मीदवार के लिए अनिवार्य योग्यता पत्र के रूप में पेश किया गया था। उम्मीदवार की योग्यता, विश्लेषणात्मक कौशल और तर्क क्षमता का आकलन करने के लिए यह UPSC CSE प्रारंभिक परीक्षा का एक हिस्सा बनाया गया था। इस पेपर के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए, प्रत्येक उम्मीदवार के लिए न्यूनतम 33% (66 अंक) आवश्यक हैं।

⇒ संचार कौशल सहित पारस्परिक कौशल

⇒ तार्किक तर्क और विश्लेषणात्मक क्षमता

⇒ निर्णय लेना और समस्या-समाधान

⇒ सामान्य मानसिक क्षमता

⇒ बुनियादी संख्यात्मकता (संख्याएं और उनके संबंध, परिमाण के क्रम, आदि) (कक्षा X स्तर), डेटा व्याख्या (चार्ट, ग्राफ़, टेबल, डेटा पर्याप्तता आदि। – कक्षा X स्तर)

यूपीएससी सिलेबस मुख्य परीक्षा

UPSC CSE मुख्य परीक्षा का उद्देश्य केवल उम्मीदवारों के ज्ञान और स्मृति का परीक्षण करने के बजाय उम्मीदवारों की समग्र बौद्धिक क्षमताओं और समझ के स्तर का आकलन करना है। मुख्य परीक्षा के लिए यूपीएससी पाठ्यक्रम में 9 पारंपरिक/सैद्धांतिक पेपर शामिल है। हर पेपर का अपना महत्व होता है। UPSC मुख्य परीक्षा के लिए यूपीएससी पाठ्यक्रम नीचे विस्तार से वर्णित है।

पेपर I	निबंध	(200 अंक)
पेपर II	सामान्य अध्ययन – I	(250 अंक)
पेपर III	सामान्य अध्ययन - II	(250 अंक)
पेपर IV	सामान्य अध्ययन – III	(250 अंक)
पेपर V	सामान्य अध्ययन - IV	(250 अंक)
पेपर VI	वैकल्पिक विषय – I	(250 अंक)
पेपर VII	वैकल्पिक विषय – II	(250 अंक)
पेपर VIII	भाषा – I	(300 अंक, केवल क्वालिफाइंग)
पेपर IX	भाषा – II	(300 अंक, केवल क्वालिफाइंग)

UPSC Syllabus मुख्य परीक्षा (Mains)

निबंध -

उम्मीदवार को विविध विषयों पर निबंध लिखना होगा। उनसे अपेक्षा की जाएगी कि वे निबंध के विषय पर ही केन्द्रित रहें तथा अपने विचारों को सुनियोजित रूप से व्यक्त करें और संक्षेप में लिखें। प्रभावी और सटीक अभिव्यक्ति के लिए अंक प्रदान किए जाएंगे।

सामान्य अध्ययन - I
भारतीय विरासत और संस्कृति, विश्व का इतिहास एवं भूगोल और समाज

⇒ भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से आधुनिक काल तक के कला के रूप, साहित्य और वास्तुकला के मुख्य पहलू शामिल होंगे।

⇒ 18वीं सदी के लगभग मध्य से लेकर वर्तमान समय तक का आधुनिक भारतीय इतिहास महत्वपूर्ण घटनाएं, व्यक्तित्व, विषय।

⇒ स्वतंत्रता संग्राम- इसके विभिन्न चरण और देश के विभिन्न भागों से इसमें अपना योगदान देने वाले महत्वपूर्ण व्यक्ति/उनका योगदान।

⇒ स्वतंत्रता के पश्चात देश के अंदर एकीकरण और पुराना

⇒ विश्व के इतिहास में 18वीं सदी की घटनाएं यथा औद्योगिक क्रांति, विश्व युद्ध राष्ट्रीय सीमाओं का पुनः

⇒ सीमांकन, उपनिवेशवाद, उपनिवेशवाद की समाप्ति, राजनीतिक दर्शन शास्त्र जैसे साम्यवाद, पूंजीवाद, समाजवाद आदि शामिल होंगे, उनके रूप और समाज पर उनका प्रभाव।

⇒ भारतीय समाज की मुख्य विशेषताएं, भारत की विविधता।

⇒ महिलाओं की भूमिका और महिला संगठन, जनसंख्या एवं सम्बद्ध मुद्दे, गरीबी है, गरीबी और विकासात्मक विषय, शहरीकरण, उनकी समस्याएं और उनके रक्षोपाय।

⇒ भारतीय समाज पर भूमंडलीकरण का प्रभाव।

⇒ सामाजिक सशक्तीकरण, सम्प्रदायवाद, क्षेत्रवाद और धर्म निरपेक्षता।

⇒ विश्व के भौतिक-भूगोल की मुख्य विशेषताएं।

⇒ विश्वभर के मुख्य प्राकृतिक संसाधनों का वितरण (दक्षिण एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप को शामिल करते हुए), विश्व (भारत सहित) के विभिन्न भागों में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र के उद्योगों को स्थापित करने के लिए जिम्मेदार कारक।

⇒ भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखीय हलचल, चक्रवात आदि जैसी महत्वपूर्ण भू-भौतिकीय घटनाएं, भूगोलीय विशेषताएं और उनके स्थान अति महत्वपूर्ण भूगोलीय विशेषताओं (जल-स्रोत और हिमावरण सहित) और वनस्पति एवं प्राणि-जगत में परिवर्तन और इस प्रकार के परिवर्तनों के प्रभाव।

सामान्य अध्ययन - II
शासन व्यवस्था, संविधान, शासन प्रणाली, सामाजिक न्याय तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध

⇒ भारतीय संविधान-ऐतिहासिक आधार विकास, विशेषताएं, संशोधन, महत्वपूर्ण प्रावधान और बुनियादी संरचना।

⇒ संघ एवं राज्यों के कार्य तथा उत्तरदायित्व, संघीय ढांचे से संबंधित विषय एवं चुनौतियां, स्थानीय स्तर पर शक्तियों और वित्त का हस्तांतरण और उसकी चुनौतियां।

⇒ विभिन्न घटकों के बीच शक्तियों का पृथक्करण, विवाद निवारण तंत्र तथा संस्थान।

⇒ भारतीय संवैधानिक योजना की अन्य देशों के साथ तुलना।

⇒ संसद और राज्य विधायिका संरचना, कार्य, कार्य संचालन, शक्तियां एवं विशेषाधिकार और इनसे उत्पन्न होने वाले विषय।

GEO IAS ACADEMY

⇒ कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्य सरकार के मंत्रालय एवं विभाग, प्रभावक समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ तथा शासन प्रणाली में उनकी भूमिका।

⇒ जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की मुख्य विशेषताएं।

⇒ विभिन्न संवैधानिक पदों पर नियुक्ति और विभिन्न संवैधानिक निकायों की शक्तियां, कार्य और उत्तरदायित्व |

⇒ सांविधिक, विनियामक और विभिन्न अर्ध-न्यायिक निकाय।

⇒ सरकारी नीतियों और विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए हस्तक्षेप और उनके अभिकल्पन तथा कार्यान्वयन के कारण उत्पन्न विषय |

⇒ विकास प्रक्रिया तथा विकास उद्योग गैर सरकारी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, विभिन्न समूहों और संघों, दानकर्ताओं, लोकोपकारी संस्थाओं, संस्थागत एवं अन्य पक्षों की भूमिका।

⇒ केन्द्र एवं राज्यों द्वारा जनसंख्या के अति संवेदनशील वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं और इन योजनाओं का कार्य निष्पादन, इन अति संवेदनशील वर्गों की रक्षा एवं बेहतरी के लिए गठित तंत्र, विधि, संस्थान एवं निकाय।

⇒ स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधनों से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित विषय।

⇒ गरीबी और भूख से संबंधित विषय।

⇒ शासन व्यवस्था, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्वपूर्ण पक्ष, ई-गवर्नेस-अनुप्रयोग, मॉडल, सफलताएं, सीमाएं और संभावनाएं; नागरिक चार्टर, पारदर्शिता एवं जवाबदेही और संस्थागत तथा अन्य उपाय।

⇒ लोकतंत्र में सिविल सेवाओं की भूमिका। भारत एवं इसके पड़ोसी-संबंध।

⇒ द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और भारत से संबंधित और / अथवा भारत के हितों को प्रभावित करने वाले करार।

⇒ भारत के हितों, भारतीय परिदृश्य पर विकसित तथा विकासशील देशों की नीतियों तथा राजनीति का प्रभाव।

⇒ महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, संस्थाएं और मंच उनकी संरचना, अधिदेश

सामान्य अध्ययन - ।।।

प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव विविधता, पर्यावरण, सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन।

⇒ भारतीय अर्थव्यवस्था तथा योजना संसाधनों को जुटाने, प्रगति विकास तथा रोजगार से संबंधित विषय।

⇒ समावेशी विकास तथा इससे उत्पन्न विषय।

⇒ सरकारी बजट।

⇒ मुख्य फसलें देश के विभिन्न भागों में फसलों का पैटर्न सिंचाई के विभिन्न प्रकार एवं सिंचाई प्रणाली-कृषि उत्पाद का भंडारण, परिवहन तथा विपणन, संबंधित विषय और बाधाएं, किसानों की सहायता के लिए ई-प्रौद्योगिकी।

⇒ प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कृषि सहायता तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य से संबंधित विषय; जन वितरण प्रणाली-उद्देश्य, कार्य, सीमाएं, सुधार; बफर स्टॉक तथा खाद्य सुरक्षा संबंधी विषय प्रौद्योगिकी मिशन; पशु-पालन संबंधी अर्थशास्त्र।

⇒ भारत में खाद्य प्रसंस्करण एवं संबंधित उद्योग कार्यक्षेत्र एवं महत्व, स्थान, ऊपरी और नीचे की अपेक्षाएं, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन।

⇒ भारत में भूमि सुधार।

⇒ उदारीकरण का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, औद्योगिक नीति में परिवर्तन तथा औद्योगिक विकास पर इनका प्रभाव।

GEO IAS ACADEMY

⇒ बुनियादी ढांचा : ऊर्जा, बंदरगाह, सड़क, विमानपत्तन, रेलवे आदि।

⇒ निवेश मॉडल।

⇒ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी - विकास एवं अनुप्रयोग और रोजमर्रा के जीवन पर इसका प्रभाव।

⇒ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियां; देशज रूप से प्रौद्योगिकी का विकास और नई प्रौद्योगिकी का विकास।

⇒ सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, कम्प्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-टैक्नोलॉजी, बायो-टैक्नोलॉजी और बौद्धिक सम्पदा अधिकारों से संबंधित विषयों के संबंध में जागरूकता।

⇒ संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण, पर्यावरण प्रभाव का आकलन।

⇒ आपदा और आपदा प्रबंधन।

⇒ विकास और फैलते उग्रवाद के बीच संबंध आंतरिकसुरक्षा के लिए चुनौती उत्पन्न करने वाले शासन विरोधी तत्वों की भूमिका |

⇒ संचार नेटवर्क के माध्यम से आंतरिक सुरक्षा को चुनौती, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों में मीडिया और सामाजिक नेटवर्किंग साइटों की भूमिका साइबर सुरक्षा की बुनियादी बातें, धन-शोधन और इसे रोकना। सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियां एवं उनका प्रबंधन संगठित अपराध और आतंकवाद के बीच संबंध। विभिन्न सुरक्षा बल और संस्थाएं तथा उनके अधिदेश।

सामान्य अध्ययन - IV

नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरूचि।

⇒ इस प्रश्न-पत्र में ऐसे प्रश्न शामिल होंगे जो सार्वजनिक जीवन में उम्मीदवारों की सत्यनिष्ठा, ईमानदारी से संबंधित विषयों के प्रति उनकी अभिवृत्ति तथा उनके दृष्टिकोण तथा समाज से आचार-व्यवहार में विभिन्न मुद्दों तथा सामने आने वाली समस्याओं के समाधान को लेकर उनकी मनोवृत्ति का परीक्षण करेंगे। इन आयामों का निर्धारण करने के लिए प्रश्न-पत्रों में किसी मामले के अध्ययन (केस स्टडी) का माध्यम भी चुना जा सकता है। मुख्य रूप से निम्नलिखित क्षेत्रों को कवर किया जाएगा।

⇒ **नीतिशास्त्र तथा मानवीय सह-संबंध:** मानवीय क्रियाकलापों में नीतिशास्त्र का सार तत्व, इसके निर्धारक और परिणाम; नीतिशास्त्र के आयाम निजी और सार्वजनिक संबंधों में नीतिशास्त्र। मानवीय मूल्य महान नेताओं, सुधारकों और प्रशासकों के जीवन तथा उनके उपदेशों से शिक्षा; मूल्य विकसित करने में परिवार, समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका।

⇒ **अभिवृत्ति:** सारांश (कंटेन्ट), संरचना, वृत्ति विचार तथा आचरण के परिप्रेक्ष्य में इसका प्रभाव एवं संबंध; नैतिक और राजनीतिक अभिरूचि सामाजिक प्रभाव और धारणा।

⇒ सिविल सेवा के लिए अभिरूचि तथा बुनियादी मूल्य, सत्यनिष्ठा, भेदभाव रहित तथा गैर तरफदारी, निष्पक्षता, सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण भाव, कमजोर वर्गों के प्रति सहानुभूति, सहिष्णुता तथा संवेदना।

⇒ **भावनात्मक समझ:** अवधारणाएं तथा प्रशासन और शासन व्यवस्था में उनके उपयोग और प्रयोग।

⇒ भारत तथा विश्व के नैतिक विचारकों तथा दार्शनिकों के योगदान।

⇒ **लोक प्रशासनों में लोक/सिविल सेवा मूल्य तथा नीतिशास्त्र:** स्थिति तथा समस्याएं; सरकारी तथा निजी संस्थानों में नैतिक चिंताएं तथा दुविधाएं; नैतिक मार्गदर्शन के स्रोतों के रूप में विधि, नियम, विनियम तथा अंतर्रात्मा;

शासन व्यवस्था में नीतिपरक तथा नैतिक मूल्यों का सुदृढीकरण; अंतर्राष्ट्रीय संबंधों तथा निधि व्यवस्था (फंडिंग) में नैतिक मुद्दे: कारपोरेट शासन व्यवस्था।

⇒ **शासन व्यवस्था में ईमानदारी:** लोक सेवा की अवधारणा; शासन व्यवस्था और ईमानदारी का दार्शनिक आधार, सरकार में सूचना का आदान-प्रदान और पारदर्शिता, सूचना का अधिकार, नीतिपरक आचार संहिता, आचरण संहिता, नागरिक घोषणा पत्र, कार्य संस्कृति, सेवा प्रदान करने की गुणवत्ता, लोक निधि का उपयोग, भ्रष्टाचार की चुनौतियां।

⇒ उपर्युक्त विषयों पर मामला संबंधी अध्ययन (केस स्टडी)

यूपीएससी सिलेबस मुख्य भाषा पेपर

इन प्रश्न पत्रों का उद्देश्य गंभीर गद्य को पढ़ने और समझने के साथ-साथ प्रासंगिक भारतीय और अंग्रेजी भाषाओं में स्पष्ट और सटीक तरीके से विचारों को व्यक्त करने के लिए उम्मीदवार की योग्यता का मूल्यांकन करना है। इन पेपरों में प्राप्त अंकों का उपयोग रैंक निर्धारित करने के लिए नहीं किया जाएगा। ये पेपर केवल क्वालिफाइंग नेचर के हैं (प्रत्येक पेपर में न्यूनतम 25% अंक)।

यूपीएससी पाठ्यक्रम मुख्य: भारतीय भाषा

इस UPSC Mains भारतीय भाषा के पेपर में प्रमुख विषयों को शामिल किया गया है जैसे की कॉम्प्रिहेंशन पैसेज, संक्षेपण, सटीक लेखन, शब्द प्रयोग, शब्द भंडार और शब्दावली, लघु निबंध, अंग्रेजी से भारतीय भाषा में अनुवाद और भारतीय भाषा से अंग्रेजी में अनुवाद। उम्मीदवार दी गई तालिका से निम्नलिखित में से कोई भी एक भारतीय भाषा चुन सकता है जो की संविधान के आठवीं अनुसूची में सम्मिलित्त हैं।

भाषा	लिपि
असामिआ	असामिआ
बंगाली	बंगाली
गुजराती	गुजराती
हिंदी	देवनागरी
कन्नड़	कन्नड़
कश्मीरी	पर्शियन/फ़ारसी
कोंकणी	देवनागरी
मलयालम	मलयालम
मणिपुरी	बंगाली
मराठी	देवनागरी
नेपाली	देवनागरी
उड़िया	उड़िया
पंजाबी	गुरमुखि
संस्कृत	देवनागरी
सिंधि	देवनागरी/अरबी
तमिल	तमिल
तेलुगु	तेलुगु
उर्दू	पर्शियन/फ़ारसी
बोडो	देवनागरी
डोगरी	देवनागरी
मैथिलि	देवनागरी
संथाली	देवनागरी/ओलचिकी

नोट: संथाली भाषा का प्रश्न पत्र देवनागरी लिपि में मुद्रित किया जाएगा, हालांकि, उम्मीदवार ओलचिकी या देवनागरी में उत्तर देने के लिए स्वतंत्र हैं।

GEO IAS ACADEMY

यूपीएससी पाठ्यक्रम मुख्य: अंग्रेजी पेपर

UPSC सिलेबस मेन्स इंग्लिश पेपर: अंग्रेजी का पेपर भी एक क्वालिफाइंग पेपर होता है जिसमें मुख्य रूप से कॉम्प्रिहेंशन पैसेज, संक्षेपण, सटीक लेखन, शब्द प्रयोग, शब्द भंडार और शब्दावली, लघु निबंध शामिल होते हैं।

यूपीएससी पाठ्यक्रम वैकल्पिक विषय

UPSC पाठ्यक्रम वैकल्पिक विषय: पेपर 6 और पेपर 7 वैकल्पिक विषय के पेपर हैं जो अनिवार्य पेपर होते हैं। ये पेपर उन पेपरों में से एक हैं जिनमें उम्मीदवार अच्छे अंक प्राप्त कर सकते हैं क्योंकि ज्यादातर मामलों में ये विषय या तो स्नातक विषय होते हैं या उम्मीदवारों के रुचि क्षेत्र के विषय होते हैं।

प्रत्येक वैकल्पिक विषय का अपना व्यापक पाठ्यक्रम है जिसे उम्मीदवार को वैकल्पिक विषय तय करने से पहले एक बार ध्यान से पढ़ना चाहिए। UPSC मुख्य परीक्षा के लिए सर्वश्रेष्ठ वैकल्पिक विषय तय करने के लिए कई कारक और मानदंड हैं जैसे पाठ्यक्रम, उस विषय के लिए उपलब्ध संसाधन, तैयारी के लिए आवश्यक समय आदि। उम्मीदवार नीचे दी गई यूपीएससी के लिए वैकल्पिक विषयों की सूची में से किसी एक वैकल्पिक विषय का चयन कर सकते हैं।

यूपीएससी मुख्य परीक्षा के लिए वैकल्पिक विषयों की सूची

कृषि विज्ञान	प्रबंधन
वनस्पति विज्ञान	नृविज्ञान
चिकित्सा विज्ञान	मनोविज्ञान
भौतिक विज्ञान	समाज शास्त्र
रसायन विज्ञान	कृषि विज्ञान
प्राणि विज्ञान	दर्शन शास्त्र
अर्थशास्त्र	सांख्यिकी
भूगोल	लोक प्रशासन
भू-विज्ञान	सिविल इंजीनियरिंग
इतिहास	विधि/कानून (Law)
गणित	मैकेनिकल इंजीनियरिंग
विद्युत इंजीनियरिंग	पशुपालन और पशु चिकित्सा विज्ञान
वाणिज्य शास्त्र और लेखा विधि	राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय संबंध (PSIR)

निम्नलिखित में से किसी एक भाषा का साहित्य : असमिया, बंगाली, हिंदी, बोडो, डोगरी, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, संथाली, सिंधी, तमिल, तेलुगु, उर्दू और अंग्रेजी।

यूपीएससी पाठ्यक्रम साक्षात्कार/व्यक्तित्व परिक्षण

यूपीएससी साक्षात्कार के लिए कोई विशिष्ट पाठ्यक्रम नहीं है, जिसे व्यक्तित्व परीक्षण के रूप में भी जाना जाता है। यह यूपीएससी परीक्षा का अंतिम चरण होता है जो की २75 अंको का होता है। यह चरण मुख्यतः व्यक्ति के तार्किक प्रस्तुति, मानसिक सतर्कता, तर्कों को लेकर स्पष्टता, निर्णय लेने की क्षमता और उसका संतुलन बनाये रखना, आत्मसात करने की महत्वपूर्ण शक्ति, बौद्धिक और नैतिक अखंडता, सामाजिक सामंजस्य और नेतृत्व के लिए योग्यता का मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है।

यूपीएससी परीक्षा की तैयारी के टिप्स

किसी भी माध्यम (अंग्रेजी / हिंदी / अन्य भाषाओं) के उम्मीदवारों के लिए यूपीएससी सीएसई 2024 को पहले प्रयास में उत्तीर्ण करने के लिए, उम्मीदवारों से आग्रह किया जाता है कि वे यूपीएससी पाठ्यक्रम को पूरी लगन से पढ़ें और उसके अनुसार अपनी

GEO IAS ACADEMY

अवधारणाओं को स्पष्ट करने के लिए जरुरी पुस्तकों / संसाधनों को पढ़ें। उम्मीदवारो को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आईएएस पाठ्यक्रम में शामिल सभी विषयों का एक बार अच्छी तरह से विश्लेषण हो जाना चाहिए ताकि अंतिम समय में कोई भी समस्या ना आये। IAS परीक्षा के लिए, आपके द्वारा चुने गए संसाधनों और आपकी तैयारी के दौरान किए गए संशोधनों पर बहुत अधिक निर्भर करता है।

UPSC परीक्षा की तैयारी के लिए क्या करें और क्या न करें

सबसे पहले UPSC CSE सिलेबस और परीक्षा पैटर्न की समीक्षा करें।

प्रीलिम्स और मेन्स की तैयारी को एकीकृतकर के पढ़ना चाहिए लेकिन दोनों के लिए दृष्टिकोण अलग होगा।

एनसीईआरटी (NCERT) की किताबें बुनियादी अवधारणाओं के निर्माण के लिए मौलिक किताबें हैं और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी के लिए की बुनियादी किताबें जैसे भारतीय भूगोल, भारतीय राजनीति, कला और संस्कृति आदि को भी देख सकते हैं।

विषयों को बेहतर ढंग से समझने के लिए दैनिक करंट अफेयर्स ऑडियो/वीडियो/प्रिंट सामग्री को अवश्य शामिल करें।

सुनिश्चित करें कि CSAT में, कम से कम 33% स्कोर आराम से कर लें क्यूंकि बीते वर्षों में UPSC ने CSAT का लेवल थोड़ा बढ़ा दिया है , इसलिए CSAT के लिए विवेकपूर्ण तरीके से तैयारी करें।

एक समय सारिणी बनाएं और उसका विवेकपूर्ण तरीके से पालन करें और सभी विषयों का अध्ययन करना सुनिश्चित करें। प्रत्येक प्रश्नो को परीक्षा हॉल में आराम से पढ़ें, अन्यथा आप भ्रमित हो सकते हैं और अनावश्यक रूप से गलत उत्तरों को भी चिह्नित कर सकते हैं और जिससे नकारात्मक अंक प्राप्त करेंगे।

एक सहकर्मी समूह बनाएं जो गुणवत्ता संबंधी चर्चाओं में शामिल हो।

पिछले साल के प्रश्न पत्रों को नियमित रूप से हल करें और साथ ही साथ मॉक टेस्ट भी समय समय पर देते रहें।

स्वस्थ आहार और नियमित नींद लेते रखें क्यूंकि UPSC 1-2 दिन की यात्रा नहीं है।...

GEO IAS ACADEMY